The Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin): VB G RAM G (Viksit Bharat G-Ram-G) Bill, 2025-continued

कृषि और किसान कल्याण मंत्री**;** तथा ग्रामीण विकास मंत्री **(**श्री शिवराज सिंह चौहान**) :** महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । (व्यवधान)

सबसे पहले इस पवित्र सदन में मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ । (व्यवधान) सभापति महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि लगातार रात के 1:30 बजे तक इस विषय पर हमने माननीय सदस्यों के विचार सुने हैं । (व्यवधान)

12.28½ hrs

At this stage, Shri Imran Masood, Dr. T. Sumathy alias Thamizhachi Thangapandian, Sushri Mahua Moitra, Shri Pushpendra Saroj and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

महोदय, अब जवाब देना मेरा अधिकार है । (व्यवधान) मैं आपसे संरक्षण चाहता हूँ । (व्यवधान) मैंने रात के 1:30 बजे तक माननीय सदस्यों की बात सुनी है । (व्यवधान)

महोदय, अपनी बात सुना देना और फिर जवाब न सुनना, यह लोकतांत्रिक परम्पराओं को तार-तार करना है । (व्यवधान) यह संविधान की धज्जियां उड़ाना है । (व्यवधान)

महोदय, ये बापू के आदर्शों की हत्या भी कर रहे हैं । (व्यवधान) अपनी बात सुना दो और हमारी बात न सुनो, यह भी तो एक प्रकार की हिंसा है । (व्यवधान) यह बापू के आदर्शों की हिंसा करने का पाप कांग्रेस और बाकी विपक्ष कर रहा है । (व्यवधान)

महोदय, सबसे पहले मैं पूज्य बापू के चरणों में प्रणाम करना चाहता हूँ । (व्यवधान) बापू पर हमारी श्रद्धा है । (व्यवधान) बापू जी हमारे आदर्श हैं । (व्यवधान) बापू जी हमारी प्रेरणा हैं । (व्यवधान) बापू हमारा विश्वास है । (व्यवधान)

महोदय, इसलिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पंच निष्ठाओं में गांधी जी के सामाजिक, आर्थिक दर्शन को स्थान दिया है । (व्यवधान) हम गांधी जी के आदर्शों पर चलने वाले हैं । (व्यवधान) गांधी जी ने कहा था कि गांव भारत की आत्मा हैं । अगर गांव मर जाएंगे तो भारत मर जाएगा । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं कि 'है अपना हिन्दुस्तान कहां, वह बसा हमारे गांवों में' । (व्यवधान) यह बिल गांवों के विकास का बिल है । माननीय सदस्यों ने, प्रतिपक्ष के मित्रों ने कई तरह के आरोप

लगाए । उन्होंने एक बात यह कही कि हम भेदभाव करते हैं । (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, सारा देश हमारे लिए एक है ।

'चेन्नई हो या गुवाहाटी, अपना देश अपनी माटी,

अलग भाषा अलग भेष, फिर भी अपना एक देश' ।

मैं इनको बताना चाहता हूं कि अटल जी ने क्या कहा था । माननीय अध्यक्ष महोदय, हम देश के किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करते । (व्यवधान) हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था, यह देश हमारे लिए जमीन का टुकड़ा नहीं है, जीता जागता राष्ट्र पुरुष है । (व्यवधान) कश्मीर इसका मस्तिष्क है, हिमालय इसकी शिखा है, पंजाब और बंगाल इसके दो विशाल बाहू है, दिल्ली दिल है, विन्ध्याचल कटि है, नर्मदा करधनी है । (व्यवधान) पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट इसकी दो विशाल जंघाए हैं । कन्याकुमारी इसके पंजे हैं । सागर इसके चरण पखारता है । सूरज और चंद्रमा इसकी आरती उतारते हैं । (व्यवधान) यह वीरों की भूमि है । यह शूरों की भूमि है । यह ऋषियों की भूमि है । यह महर्षियों की भूमि है । यह तर्पण की भूमि है । यह अर्पण की भूमि है । हम जिएंगे तो इसके लिए और कभी मरना पड़ा, तो मरेंगे भी इसके लिए । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मरने के बाद अगर हमारी राख भी गंगाजी में फेंक दी गई, तो वहां से भी एक ही आवाज आएगी कि भारत माता की जय, भारत माता की जय । (व्यवधान) भारत माता हमारे बचपन का झूला, जवानी की फुलवारी और बुढ़ापे की काशी है । इस देश का संपूर्ण विकास, यह मोदी सरकार का कर्तव्य है, लेकिन माननीय अध्यक्ष महोदय विधेयक पर चर्चा करते हुए, कई तरह की चर्चा की गई, संघ को भी व्यर्थ में घसीटा गया । (व्यवधान) आज मैं इस महान सदन में कहना चाहता हूं कि संघ जग के निर्माण में विश्वास करता है । (व्यवधान) यदि हिन्दुस्तान में देश-भक्त, चरित्रवान, ईमानदार, परिश्रमी, जो अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए जीने वाले कार्यकर्ताओं की मालिका खड़ी की है, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है । (व्यवधान) हमारे संघ के विचार कभी भी सीमित और संकीर्ण नहीं रहे, बल्कि व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर हजारों, लाखों कार्यकर्ता राष्ट्र के निर्माण के पवित्र काम में लगे हैं । (व्यवधान) परम पूज्य संघ संचालक श्रीमान मोहन भागवत जी के विचार पढ़ लीजिए । हिन्दुत्व संकीर्ण नहीं है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रतिपक्ष के मित्रों से निवेदन करना चाहता हूं कि एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति हिंदुत्व है । (व्यवधान) महोदय, सियाराम मय सब जग जानी हिंदुत्व है । "आत्मवत् सर्वभूतेषु" हिंदुत्व है । अध्यक्ष महोदय, "अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्, उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्" हिंदुत्व है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, यह हिंदुत्व है और सर्वे भवन्तु सुखिनः हिंदुत्व है, सर्वे सन्तु निरामया, हिंदुत्व है, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु हिंदुत्व है, मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत् हिंदुत्व है । (व्यवधान) यह विशाल हिंदुत्व अपने आप में सबको स्नेह, प्रेम और आत्मीयता के भाव को समेटे रहता है, लेकिन माननीय अध्यक्ष महोदय, गांवों का विचार हमारे विचार के केंद्र में, हमारी सोच के केंद्र में और माननीय अध्यक्ष महोदय, गांवों के विकास के लिए आज नहीं, कई वर्षों पहले से अनेकों योजनाएं बनीं । (व्यवधान) पहली योजना 'ग्रामीण जन-शक्ति कार्यक्रम' बनी । यह वर्ष 1960-61 में बनी । (व्यवधान) सीमित कवरेज और अपर्याप्त वित्तीय संसाधन के कारण, उससे उद्देश्य पूरा नहीं हुआ । फिर ग्रामीण रोजगार के लिए क्रैश स्कीम बनी । (व्यवधान)

उसके बाद काम के बदले अनाज योजना आयी । (व्यवधान) फिर राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम आया । (व्यवधान)फिर ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम आया । (व्यवधान) फिर जवाहर रोजगार योजना आयी, फिर सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना आयी, फिर राष्ट्रीय काम के बदले अनाज कार्यक्रम आया । (व्यवधान) एक के बाद योजनाएं आती गयीं, थोड़ा उद्देश्य पूरा किया और जब वह पूरा नहीं हुआ तो उसकी जगह नयी योजना बना दी गयी और उसके बाद नरेगा योजना आयी । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि नरेगा का नाम पहले महात्मा गांधी जी के नाम पर नहीं रखा गया, वह तो नरेगा थी । (व्यवधान) बाद में जब वर्ष 2009 के चुनाव आए तो चुनाव और वोट के कारण इन्हें बापू याद आए, महात्मा गांधी याद आए और तब उसमें महात्मा गांधी जी का नाम जोड़ा गया । (व्यवधान) मैं निवेदन करना चाहता हूं कि इस मनरेगा को भी अगर ताकत के साथ किसी ने ठीक ढंग से लागू किया तो उसे हमारे प्रधान मंत्री श्रीमान् नरेन्द्र मोदी जी ने लागू किया । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं देश को बताना चाहता हूं कि ये कांग्रेस के लोग वर्ष 2006 से इसके नाम पर ढोंग कर रहे हैं । (व्यवधान) जब यूपीए की सरकार थी, तब वर्ष 2006-07 से वर्ष 2013-14 तक केवल 1660 करोड़ मानव श्रम दिवस सृजित हुए, लेकिन नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 3,210 करोड़ श्रम दिवस सृजित करने का काम किया गया । (व्यवधान) क्या इन्होंने मनरेगा लागू की? (व्यवधान) ये ढोंग करते हैं, ढोंग, जबकि नरेन्द्र मोदी जी की सरकार काम करती है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, सारा देश जान ले, ये यूपीए वाले मनरेगा के बारे में कहते हैं, इन्होंने खर्च किये - 2,13,220 करोड़ 39 लाख रुपये, लेकिन नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने खर्च किये 8,53,810 करोड़ 91 लाख रुपये । (व्यवधान) ये ढोंग करते हैं जबकि हम काम करने में विश्वास करते हैं । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, पूरे किए गए कामों की संख्या भी देख लीजिए । (व्यवधान) आज मैं यह सब बोलूंगा क्योंकि मुझे देश को बताना है, ये मुझे चुप नहीं करा सकते, मेरा नाम भी शिवराज सिंह चौहान है, मैं भारतीय जनता पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता हूं । (व्यवधान)

अगर पूर्ण किए गए कामों को देखें तो इन्होंने किए 153 लाख, हमने किए 862 लाख । (व्यवधान)यह मोदी की गारंटी है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी बहनें यहां बैठी हैं । (व्यवधान) महिलाओं की भागीदारी इनके समय थी 48 प्रतिशत और हमारे समय यह हो गयी 56.73 प्रतिशत । (व्यवधान) नरेगा के साथ आधार सीडिंग इनके समय 76 लाख ही थी, हमने वह 12 करोड़ 12 लाख किया । (व्यवधान) आधार भुगतान हेतु प्रणाली के लिए इन्होंने कोई प्रावधान ही नहीं किया । (व्यवधान) अंधा बांटे रेवड़ी, चीन्ह चीन्ह के दे । (व्यवधान)ये पैसा खा गए, उसे बर्बाद कर दिया, लेकिन हमने 11.93 करोड़ रुपये उसके लिए दिए । (व्यवधान)इनके समय में ग्राम पंचायत में 22 रजिस्टर रखे जाते थे, उसे इन्होंने क्लिष्ट बना दिया था, हमने उसे घटाकर 7 कर दिए । (व्यवधान) इनके समय में 29,45,136 व्यक्तिगत परिसंपत्तियां बनीं, हमने बनायी 5,62,67,077 । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, ये देश को कितना गुमराह करेंगे? (व्यवधान) मैं आज एक तथ्य उजागर करना चाहता हूं । (व्यवधान)उस दिन हमारी बहन श्रीमती प्रियंका गांधी कह रही थीं, इन्होंने नाम तो गांधी लगा लिया है, गांधी को भी गांधी से चुराने का पाप कांग्रेस ने किया है । (व्यवधान) ये कह रही थीं कि किस सनक में ये नाम बदल रहे हैं,

इन्होंने सनक की बात की थी । (व्यवधान)सनक में हम नहीं हैं, सनक में मोदी सरकार नहीं है, नाम रखने की सनक तो कांग्रेस की है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कितनी योजनाओं का नाम महात्मा गांधी जी के नाम पर रखा? इन लोगों ने महात्मा गांधी जी के नाम पर योजनाओं का नाम नहीं रखा, बल्कि केवल नेहरू परिवार के नाम पर रखने का पाप किया । आज पूरा देश यह जान लें कि कितनी योजनाओं का नाम इन्होंने अपने खानदान को महिमामंडित करने के लिए रखा । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्य सरकार के 25 योजनाओं का नाम स्वर्गीय राजीव गांधी जी के नाम पर रखा । 27 योजनाओं का नाम इंदिरा जी के नाम पर रखा । इस प्रकार कुल 52 नाम हैं । ये लोग नाम की बात करते हैं । अगर नाम रखने की किसी को सनक है तो कांग्रेस के है । शैक्षणिक संस्था या यूनिवर्सिटी के नाम राजीव जी पर 55, इंदिरा जी पर 21, नेहरू जी पर 22 हैं । खेल और टूर्नामेंट, ट्रॉफी के नाम राजीव गांधी जी पर 23, इंदिरा जी पर 4, नेहरू जी पर 2 हैं । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सड़क, जगह और इमारत के 74 नाम अपने नामों पर रखे हैं । 51 अवार्ड्स के नाम नेहरू परिवार के नाम पर रखे गए । 37 संस्थान, चैरिटेबल और फेस्टिवल नेहरू जी तथा इंदिरा जी के नाम पर रखे गए । 39 चिकित्सा संस्थान और अस्पताल इन्होंने अपने नाम पर कर लिये हैं । 15 स्कॉलरशिप इनके नेताओं के नाम पर है । (व्यवधान) 15 नेशनल पार्क्स जहां जानवर रहते हैं, वे भी नेहरू जी, इंदिरा जी और राजीव जी के नाम पर कर दिए गए । 5 एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों के नाम उनके नाम से हैं । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कितनी योजनाएं चलाईं? नाम रखने की सनक इनकी है । मोदी सरकार तो केवल काम करना चाहती है । केवल काम में हमारा विश्वास है । चाहे मनरेगा का बेहतर क्रियान्वयन का सवाल हो, वह हमने करने का संकल्प लिया । इन्होंने तो गांधी जी की कभी नहीं मानी । हम गांधी जी को भी मानते हैं । (व्यवधान) गांधी जी ने वर्ष 1948 में कहा था कि आजादी प्राप्त हो गई, कांग्रेस का काम पूरा हो गया और अब कांग्रेस भंग कर देनी चाहिए । कांग्रेस की जगह लोक सेवक संघ बनाना चाहिए । लेकिन, नेहरू जी ने सत्ता से चिपके रहने के लिए और आजादी के आंदोलन का लाभ उठाने के लिए कांग्रेस भंग नहीं की । कांग्रेस ने उसी दिन बापू जी की आदर्शों की हत्या कर दी, जिस दिन कांग्रेस भंग नहीं की गई । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, बापू जी के आदर्शों की हत्या कांग्रेस ने की है । जिस दिन देश का बंटवारा स्वीकार किया गया, उसी दिन बापू के आदर्शों की हत्या हो गई । (व्यवधान) जिस दिन इन्होंने कश्मीर को विशेष दर्जा दिया, उसी दिन बापू के आदर्शों की हत्या हो गई । जिस दिन इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर संविधान की धज्जियां उड़ाईं, उसी दिन गांधी जी हत्या इन्होंने कर दी । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस दिन दिल्ली में संतों पर गोलियां चलाई गईं, उसी दिन आपने गांधी जी की हत्या करने का पाप किया । पूरे देश को भ्रष्टाचार और घोटाले में डूबा कर आपने गांधी जी की हत्या की । आप गांधी जी के आदर्शों की हत्या कितनी बार करेंगे? (व्यवधान) ये लोग हमसे बात करते हैं । माननीय मोदी जी की सरकार ने मनरेगा को ढंग से लागू करने का भी काम किया । मनरेगा में कई तरह की कमियां थीं । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज मैं बताना चाहता हूं कि उसके स्थान पर हम नया विधेयक क्यों लेकर आए हैं? हम नया कानून क्यों बनाना चाहते हैं? अपेक्षाकृत राज्यों के बीच फंड्स का बंटवारा असमान्य था । सबको न्याय देना जरूरी था । (व्यवधान) मनरेगा में एक नहीं, बल्कि कई तरह की समस्याएं पैदा हो रही थीं । मैं आपके

सामने निवेदन करना चाहता हूं कि इस योजना में 60 परसेंट पैसा मजदूरी के लिए था और 40 परसेंट पैसा मैटेरियल के लिए था । केन्द्र से मजदूरी का पूरा का पूरा पैसा आता है । इसलिए मजदूरी का पैसा ज्यादा खींच लो और मैटेरियल में खर्च ही मत करो । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैटेरियल पर केवल 26 परसेंट खर्च हुए । कई राज्यों ने तो केवल 19-20 परसेंट ही खर्च करने का काम किया । इसलिए, यह जरूरी हो गया था कि मनरेगा को एक बार पूरी तरह से देखा जाए, क्योंकि यह भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया गया था । (व्यवधान)

अपने दिल पर हाथ रखकर यह इंडिया ब्लॉक वाले भी बताएं, कांग्रेस वाले भी बताएं कि क्या मनरेगा में भ्रष टाचार नहीं हुआ? (व्यवधान) क्या मनरेगा का पैसा लुटा नहीं दिया गया? (व्यवधान) क्या मनरेगा का पैसा इनकी जेबों में नहीं चला गया? (व्यवधान) क्या मनरेगा का पैसा इनके नेताओं ने नहीं लूटा? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, यह आवश्यक हो गया था कि मनरेगा का सही उपयोग हो, (व्यवधान) पैसे की लूट समाप्त हो । (व्यवधान) केवल जनता को, गरीबों को काम देने में उस राशि का उपयोग हो । (व्यवधान) इसलिए पारदर्शिता जरूरी थी, कमियाँ दूर करनी जरूरी थीं । (व्यवधान) यह मोदी सरकार ने अचानक नहीं किया है । (व्यवधान) हमने स्टेक-होल्डर्स से चर्चा की, (व्यवधान) कई राज्यों से चर्चा की । (व्यवधान) व्यापक विचारविमर्श के बाद यह विचार बना कि इतनी विशाल धनराशि आज दस लाख करोड़ रुपये से ज्यादा क्या केवल मजदूरी देने के काम में नहीं, (व्यवधान) ये स्थाई परिसम्पत्तियों के निर्माण में भी लगनी चाहिए । (व्यवधान) इसलिए यह जरूरी हो गया था कि मनरेगा के बारे में खुले मन से, खुले दिमाग से एक बार फिर से विचार किया जाए, (व्यवधान) इसलिए हमने यह तय किया कि मनरेगा के स्थान पर एक नई योजना लेकर आएं । हमने बापू का नाम नहीं बदला है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि हमने इतनी विशाल धनराशि से एक तरफ रोजगार के काम बेहतर हों, (व्यवधान) और रोजगार मिलें, ज्यादा रोजगार मिलें, इसका प्रावधान करने का काम किया है । (व्यवधान) वहीं दूसरी तरफ इतनी विशाल धनराशि का उपयोग संपूर्ण विकसित गांव बनाने में किया जाए । (व्यवधान) ये मोदी सरकार का लक्ष्य रहा है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, ये प्रस्तावित मनरेगा की योजना में नाम की बात करते हैं । (व्यवधान) मैं इस पवित्र सदन के माध्यम से देश की जनता को दावे के साथ कहना चाहता हूँ कि इस बिल के नाम में ही इस योजना का काम लिखा हुआ है । (व्यवधान) हम इस योजना में रोजगार की गारन्टी दे रहे हैं, आजीविका को समृद्ध करने का काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य विकसित भारत होगा । (व्यवधान) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक वैभवशाली भारत, एक गौरवशाली भारत, एक सम्पन्न भारत, एक समृद्ध भारत, एक शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है (व्यवधान) और विकसित भारत के लिए विकसित गांव, यह हमारी इस योजना का उद्देश्य है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने एक आदर्श गांव की कल्पना की है । (व्यवधान) आज मैं सदन के सामने केवल योजना नहीं रख रहा हूँ, (व्यवधान) एक सपना, एक संकल्प, जो हम इस योजना के माध्यम से पूरा करना चाहते हैं, (व्यवधान) वो सपना और संकल्प है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, आपको देश की जनता ने कागज फेंकने के लिए नहीं भेजा है, आपको चर्चा करने के लिए भेजा है । मैंने कल सभी माननीय सदस्यों को पर्याप्त अवसर, पर्याप्त समय चर्चा के लिए

दिया है । ये संसदीय परम्पराओं के अनुरूप भी नहीं है और भारत के लोकतंत्र के अनुरूप भी नहीं है । माननीय मंत्री जी ।

(व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान : माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे सपनों का गांव, आदर्श गांव, एक विकसित गांव, जो स्वावलंबी हो, जो नरेन्द्र मोदी जी बनाना चाहते हैं । (व्यवधान) जो रोजगार से युक्त हो, जो गरीबी से मुक्त हो, (व्यवधान) जो सुविधाओं से सम्पन्न हो । जहाँ शिक्षा हो, जहाँ रोजगार हो, जहाँ समानता हो । (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, जहाँ गलियाँ पक्की हों, जहाँ साफ नालियाँ हों, (व्यवधान) जहाँ जल निकासी की व्यवस्था हो, (व्यवधान) हर मोड़ पर एलईडी और सोलर की रोशनी हो, (व्यवधान) गांव में सामुदायिक भवन हों, (व्यवधान) बहुउद्देशीय भवन हों, (व्यवधान) सार्वजनिक शौचालय हों । माननीय अध्यक्ष महोदय, आदर्श गांव ऐसा, जहाँ पीने का पर्याप्त पानी हो, (व्यवधान) हर घर नल से जल पहुँचे, (व्यवधान) हर शुद्धिकरण की जल की इकाई हो, सबके पास रहने का घर हो । (व्यवधान)

चूल्हे के धुएं से मुक्ति हो, हर घर शौचालय हो, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सेट हो, कचरा संग्रहण वाहन हो, डस्टबिन हो, सोख्ता टैंक हो, ग्रे वाटर प्रबंधन हो, वर्मी कंपोस्ट की व्यवस्था हो, स्वच्छता हो, सुशासन हो । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमें ऐसा आदर्श गांव चाहिए, जहां बीमार होने पर शहर न भागना पड़े । आंगनवाड़ी भवन हो, पोषण वाटिका हो, बच्चों का पोषण सुरक्षित हो । जहां हर बच्चे को पढ़ने के लिए शहर न भागना पड़े, जहां डिजिटल क्लास रूम हो, जहां पुस्तकालय की व्यवस्था हो, जहां कौशल विकास केन्द्र हो, जहां प्रशिक्षण केन्द्र हो, जहां कम्प्यूटर हो, जहां लैब हो, आधुनिक तरीके से पढ़ाई हो, ताकि कोई गांव का बच्चा प्रतियोगिता में पीछे न छूटे । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, जहां काम मिले, जहां मेहनत की कीमत मिले, स्वयं सहायता समूह के लिए शेड हो, ग्रामीण हाट हो, बाजार शेड हो, ताकि किसान अपनी उपज बेच सके । (व्यवधान) गोदाम हो, भंडारण शेड हो, फसलें सुरक्षित रहे, डेयरी एवं दुग्ध संग्रहण केन्द्र हो, कस्टम हायर सेन्टर हो, मत्स्य पॉल्ट्री शेड हो, कुटीर उद्योग हो । (व्यवधान) आदर्श गांव ऐसा हो, जहां खेती सुरक्षित हो, पानी संरक्षित हो, तालाब भरे हों, वाटर शेड हो, विकास के कार्य हों, चेक डेम हों, हर बूंद का सही उपयोग हो । (व्यवधान) एक ऐसा गांव हो, जहां पेड़ हों, हरियाली हो और आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रहे । (व्यवधान) हम ऐसा गांव बनाना चाहते हैं, जहां ऊर्जा हो, तकनीक सभी के काम आए, सौलर लाइट्स हों, सरकारी भवनों पर रूफ टॉप हो, पंचायत भवन में इंटरनेट हो, ब्रॉडबैंड हो, सार्वजनिक वाई-फाई पॉइंट्स हों, सीएससी भवन हो, महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर हों । (व्यवधान) ये आदर्श गांव ही विकसित भारत की नींव होंगे । जहां सुशासन हो, जहां सबका विकास हो, जहां सम्पन्नता हो, जहां अंत्योदय का विकास हो, जहां हर व्यक्ति को काम मिले, जहां मेहनत का मान सुनिश्चित हो, जहां हर खेत हरा-भरा हो, जहां ग्राम स्वराज का मंत्र हो । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, ऐसे आदर्श गांव का सपना माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी का है । (व्यवधान) इस विधेयक में हम उसी सपने को पूरा करने का काम करना चाहते हैं । इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं देश को आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि अब इस योजना में हमने जो प्रावधान किया है, चूँकि कांग्रेस ने इस योजना में जो धन राशि रखी थी, उसे भी घटाने का काम किया था । (व्यवधान) ये मनरेगा, मनरेगा कहते हैं, लेकिन 40 हजार करोड़ रुपये से घटाकर इन्होंने बजट का आबंटन 33 हजार करोड़ रुपये कर दिया था ।

(व्यवधान) ये हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और हैं । ये मुंह में राम और बगल में छुरी लेकर घूमते हैं । (व्यवधान) इन्होंने मजदूरों को पर्याप्त रोजगार नहीं दिया, लेकिन यह नरेन्द्र मोदी जी की सरकार है । हमने 1 लाख 11 हजार करोड़ रुपये तक मनरेगा पर खर्च किए हैं । (व्यवधान) 86 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान इस साल किया गया है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, अब हम जब प्रावधान कर रहे हैं तो उस प्रावधान को भी जानना चाहिए । ये कह रहे हैं कि हम पैसा बचाना चाहते हैं, लेकिन हम पैसा बचाना नहीं चाहते हैं, हम रोजगार देना चाहते हैं । हम गांवों को विकसित बनाना चाहते हैं । (व्यवधान) इसलिए इसी साल बजट में 1 लाख 51 हजार 282 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं और ये रुपये कहां जाएंगे? ये रुपये मजदूरों की मजदूरी के लिए जाएंगे । ये गांव के विकास के लिए भी जाएंगे । (व्यवधान) भारत सरकार 95 हजार 600 करोड़ रुपये का खर्चा करेगी । यह अंतिम सीमा नहीं है । अगर जरूरत पड़ेगी तो और ज्यादा पैसा आएगा । मोदी जी हैं तो मुमकिन है । ये तो एक-एक पैसे के लिए रोते थे । (व्यवधान) इनके पास में कुछ नहीं था, लेकिन नरेन्द्र मोदी जी के पास गांव के विकास और रोजगार के लिए धन की कमी नहीं है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस योजना के अंतर्गत मैं देश को आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि अब जल संरक्षण के काम किए जाएंगे । (व्यवधान) यहां पर जल शक्ति मंत्री भी बैठे हुए हैं । (व्यवधान) कई जगहों पर वाटर लेवल बहुत नीचे चला गया है और इसलिए जो क्रिटिकल ब्लॉक्स हैं, सेमी क्रिटिकल ब्लॉक्स हैं, उन सब में पानी की बेहतर व्यवस्था के लिए 65 परसेंट राशि तक खर्च की जाएगी । (व्यवधान)

पानी की एक-एक बूंद को बचाने का काम होगा । (व्यवधान) हम तालाब बनायेंगे, सिंचाई के कुएं बनायेंगे, माइक्रो इरिगेशन चैनल बनायेंगे । (व्यवधान) सामुदायिक जल भराव भूमि का सुधार करेंगे, वृक्षारोपण करेंगे । एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण को बचाने काम करेगा । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, दूसरी कैटेगरी में हम सड़कें बनायेंगे, पुलिया बनायेंगे, ग्राम पंचायत भवन, आंगनबाड़ी भवन, ग्रामीण पुस्तकालय, विद्यालय का निर्माण, किचन शेड, स्कूल में अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशाला, स्कूल परिसर की दीवारें, खेल के मैदान (व्यवधान) शांति धाम, सामुदायिक काम, सोलर लाइट, ग्रामीण पार्किंग क्षेत्र, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के आवास, जल-जीवन मिशन के अधीन किए गए काम (व्यवधान) केवल इतने ही नहीं, ये काम तो हम करेंगे और आजीविका से संबंधित काम भी करेंगे । (व्यवधान) प्रधानमंत्री जी ने हर दीदी को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है । (व्यवधान) दो करोड़ बन गयी हैं । अब तीन करोड़ बनाने वाले हैं । इसे बढ़ाते हुए एक दिन ऐसा आएगा, जब देश की किसी बहन की आंखों में आंसू नहीं होंगे, हर चेहरे पर मुस्कुराहट होगी । (व्यवधान)

इसीलिए आजीविकामूलक काम, ग्रामीण हाट, प्रशिक्षण सह कौशल विकास केन्द्र, खाद्यान के लिए ग्रेन स्टोरेज बिल्डिंग, कृषि उत्पाद भंडार, एग्रीकल्चर प्रोड्यूस के लिए स्ट्रक्चर, सीड भंडारण यूनिट, स्वयं सहायता समूह तथा हमारे एफपीओ के लिए भवन, कम्पोस्ट खाद, चारागाह घास, (व्यवधान) घास के मैदान, डेयरी अवसंरचना, मवेशियों, बकरियों और मुर्गीपालन तथा अन्य पशुधन के लिए आश्रायों का विकास, मत्सयपालन संबंधी अवसंरचना और नर्सरी को बढ़ाने का भी काम किया जाएगा, ताकि लोगों को रोजगार मिले । (व्यवधान)

यह तो केवल गरीब रखना चाहते थे । (व्यवधान) गरीबी हटाओ का वर्ष 1971 में इंदिरा जी को याद आया । (व्यवधान) गरीबी हटाओ का नारा दे दिया, लेकिन गरीबी नहीं हटाई । इन्होंने गरीब को हटाने का काम किया ।

उसके 25 वर्ष बाद इनको मनरेगा की याद आयी । (व्यवधान) हम आजीविकामूलक काम करके गरीबी हटाने का काम करेंगे । (व्यवधान) चक्रवात और बाढ़ की स्थिति में नहर तक बंद आपदा निवारण कार्यों का निर्माण, बाढ़ प्रबंधन के लिए तालाब और जल संरचना को मजबूत करेंगे । (व्यवधान) आपदा के बाद ग्रामीण सड़कों और सामुदायिक संपत्तियों का पुनर्वास करेंगे । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपदा से निपटने के सारे प्रबंध भी इसके अंतर्गत करने का काम मोदी जी की सरकार करेगी । (व्यवधान) मैं निवेदन करना चाहता हूं । (व्यवधान) यह एससी-एसटी और कमजोर वर्गों की बात कर रहे थे । ये नरेन्द्र मोदी जी हैं, जिन्होंने विधवा को 'कल्याणी' नाम दिया । (व्यवधान) जिन्होंने विकलांग को 'दिव्यांग' नाम दिया । चाहे वह अनुसूचित जाति हो, अनुसूचित जनजाति हो, अन्य पिछड़ा वर्ग हो, समाज के कमजोर वर्ग के लोग हो, दिव्यांग हो, सबके लिए हमने विशेष प्रावधान किए हैं । (व्यवधान) उनके लिए विशेष जॉब कार्ड नहीं, रोजगार गारंटी कार्ड बनाये जायेंगे और कम काम करने पर भी उन्हें ज्यादा मजदूरी देने का काम किया जाएगा । (व्यवधान) गरीबों के और कमजोर वर्गों के हित पूरी तरह से सुरक्षित रखने का काम हमने इस विधेयक में किया है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस विधेयक के जो मानवीय चेहरे हैं, जो सबसे पीछे और सबसे नीचे हैं, वे हमारे लिए सबसे पहले हैं । हम पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अनुयायी हैं । (व्यवधान) वे कहते थे कि यदि दीनों की सेवा कर ली, दुखियों की सेवा कर ली और गरीबों के आंखों के आंसू पोंछ लिए तो गरीबों के उन्हीं आंखों में तुम्हें साक्षात नारायण के दर्शन होंगे, (व्यवधान) साक्षात भगवान के दर्शन होंगे । (व्यवधान) यह दरिद्र ही हमारा नारायण है, गरीब ही हमारा भगवान है, जनता ही हमारी जर्नादन है । (व्यवधान) उसकी सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मोदी जी के नेतृत्व में, मैं कहना चाहता हूं कि इस योजना के अंतर्गत बहुत सारे काम होंगे । (व्यवधान) एक बात मैं और कहना चाहता हूं, गांधी जी की बात करने वालों ने कब गरीबों के लिए काम किए? ये नरेन्द्र मोदी जी की सरकार है । (व्यवधान) प्रधानमंत्री आवास बनाकर 4 करोड़ गरीबों को घर देने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया । (व्यवधान)

13.00 hrs

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 11 करोड़ शौचालय बनाए गए । (व्यवधान) उज्ज्वला योजना ने बहनों की जिंदगी बढ़ा दी और जिंदगी बदल दी । (व्यवधान) दस करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गए । (व्यवधान) जल जीवन मिशन में 14 करोड़ 90 लाख घरों को नल से जल दिया गया । (व्यवधान) आयुष्मान भारत में 36.9 करोड़ से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ । आयुष्मान आरोग्य मंदिर डेढ़ लाख प्राइमरी केयर और सस्ती दवाई देने वाले सेंटर बन गए । (व्यवधान) मुद्रा योजना के तहत 12 करोड़ लोन बांटे गए । (व्यवधान) सौभाग्य योजना में सौ परसेंट विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया गया । (व्यवधान) रिन्युएबल एनर्जी का विस्तार किया गया और 2.2 गीगावाट से बढ़कर 73.32 गीगावाट हो गयी । (व्यवधान) पीएम जनधन खातों ने गरीब की जिंदगी बदल दी । प्रधानमंत्री जी ने 34 लाख करोड़ (व्यवधान) स्किल इंडिया के तहत 1.4 करोड़ युवाओं को ट्रेनिंग दी गयी । (व्यवधान) अटल पेंशन योजना 7.65 करोड़ लोगों को लाभ मिला । पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना 81 करोड़ को नि:शुल्क राशन देने का चमत्कार नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने किया । (व्यवधान) पीएम किसान सम्मान निधि 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को देने का काम किया गया। (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, यूपीए

बनाम एनडीए अगर आप देखेंगे (व्यवधान) कल जनजाति की बात कर रहे थे, आपका बजट 4295 करोड़ रुपये का बजट था, हमने उसे 13 हजार करोड़ रुपये कर दिया । (व्यवधान) महिला और बाल विकास का आपका 20 हजार करोड़ रुपये का बजट था, हमने उसे 26 हजार करोड़ रुपये कर दिया । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, महिला हो, गरीब हो या किसान हो सबकी जिंदगी बदलने का काम अगर किसी ने किया है तो माननीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने किया है । (व्यवधान) इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इन्होंने तो बापू के आदर्शों को मारने का काम किया, लेकिन नरेन्द्र मोदी जी ने बापू के आदर्शों को जिंदा रखने का काम किया । (व्यवधान) बापू आज जिंदा है- प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों में है । (व्यवधान) बापू आज जिंदा है - जल जीवन मिशन के कामों में । (व्यवधान) बापू आज जिंदा है- स्वच्छ भारत मिशन में । (व्यवधान) बापू आज जिंदा है- उज्ज्वला योजना में, जहां दस करोड़ रसोई घरों से धुएं का अंधेरा हटा और मां की सांसे सुरक्षित हुईं और बहनों के चेहरों पर मुस्कान खिली । (व्यवधान) बापू आज जिंदा है- आयुष्मान भारत में, जहां 36.9 करोड़ से अधिक लोगों को इलाज का भरोसा मिला । (व्यवधान) बापू जिंदा है- आयुष्मान आरोग्य मंदिर में, जहां डेढ़ लाख से ज्यादा केन्द्र सस्ती दवाइयां दे रहे हैं । (व्यवधान) बापू आज जिंदा है- पीएम जन-धन योजना और डीबीटी में, गरीबों के खाते में सीधा 34 लाख करोड़ रुपये पहुंचे हैं । (व्यवधान) बापू आज मुद्रा योजना में जिंदा है, बापू सौभाग्य योजना में जिंदा है, बापू स्किल इंडिया मिशन में जिंदा है, बापू अटल पेंशन योजना में जिंदा है, बापू आज पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में जिंदा है । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, बापू तस्वीरों में नहीं, चिट्ठियों में नहीं, भाषणों और पोस्टरों में नहीं, अपितु बापू उन कामों में जिंदा है जो अंतिम व्यक्ति तक पहुंचते हैं । (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, बापू आज हम सभी के हृदयों में एक विचार बनकर जिंदा है । (व्यवधान) बापू के आदर्शों को ही इस योजना में हमने क्रियान्वित करने का काम किया है, जो गरीब की जिंदगी बदलेगी । (व्यवधान) 60 और 40 का शेयर इसलिए है कि इससे राज्यों की सहभागिता बढ़े । (व्यवधान) वे भी जिम्मेदारी का अनुभव करें और किसान के काम के समय योजना के काम को स्थगित रखने का काम इसलिए किया ताकि किसानों की खेती का काम प्रभावित न हो । (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, एक नये भारत का काम नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हो रहा है । गरीबों के कल्याण में यह योजना एक महत्वपूर्ण रोल अदा करेगी । (व्यवधान)

कौन कहता है कि

आसमान में सुराख नहीं होता

एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो ।

महोदय, मैं इन निराश और हताश लोगों को अटल जी की पंक्तियां सुनाकर अपनी बात समाप्त करता हूं-

'गीत नया गाता हूं

टूटे हुए तारों से फूटे वासंती स्वर

पत्थर की छाती मे उग आया नव अंकुर

झरे सब पीले पात कोयल की कुहुक रात

प्राची में अरुणिमा की रेख देख पाता हूं

गीत नया गाता हूं'

महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इनके हंगामे से-

'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा

काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूं

गीत नया गाता हूं ।'

विकास का गीत, जनकल्याण का गीत, गरीब कल्याण का गीत । बहुत-बहुत धन्यवाद । (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** माननीय सदस्य, श्री के. राधाकृष्णन, प्रो. सौगत राय, श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन, श्री के. सी. वेणुगोपाल, श्री डी. एम. कथीर आनंद, श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील, श्री अरुण नेहरू, डॉ. कडियम काव्य, सुश्री एस. जोतिमणि, श्री बैन्नी बेहनन, श्री ससिकांत सेंथिल, श्री हैबी ईडन, श्री अब्दुल रशीद शेख एवं सुश्री इकरा चौधरी, इन सभी माननीय सदस्यों ने विभिन्न खंडों पर अपने-अपने संशोधन दिए हैं । अगर वे प्रस्तुत करना चाहते हैं तो अपनी-अपनी सीट्स पर चले जाएं, अन्यथा मैं सभी खंडों को एक साथ ले रहा हूं ।

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्रश्न यह है:

कि प्रत्येक ग्रामीण गृहस्थों को, जिसके व्यस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं, प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक सौ पच्चीस दिन की कानूनी गारन्टी मजदूरी नियोजन उपलब्ध कराकर, विकसित भारत @2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ संरेखित ग्रामीण विकास कार्य ढांचे को स्थापित करने के लिए; समृद्ध और समनुत्थानशील ग्रामीण भारत के लिए सशक्तिकरण, विकास अभिसरण तथा संतृप्तिकरण का संवर्धन करने के लिए; तथा उससे ससंक्त या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष **:** अब सभा विधेयक पर खंडवार विचार करेगी ।

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्रश्न यह है:

कि खंड 2 से 37 विधेयक का अंग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड *2* से *37* विधेयक में जोड़ दिये गये ।

(व्यवधान)

FIRST SCHEDULE

माननीय अध्यक्ष **:** प्रश्न यह है :

कि पहली अनुसूची विधेयक में जोड़ दी जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

पहली अनुसूची विधेयक में जोड़ दी गई ।

दूसरी अनुसूची विधेयक में जोड़ दी गई ।

खंड *1*, अधिनियमन सूत्र, उद्देशिका और विधेयक का पूरा नाम विधेयक में जोड़ दिए गए ।

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** माननीय मंत्री जी प्रस्ताव करें कि विधेयक को पारित किया जाए ।

(व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान **:** अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

कि विधेयक पारित किया जाए ।

माननीय अध्यक्ष: प्रश्न यह है:

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** सभा की कार्यवाही कल शुक्रवार, दिनांक 19 दिसंबर, 2025 को प्रात: ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

13.07 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, December 19, 2025/Agrahayana 28, 1947 (Saka).

———

* Laid on the Table and also placed in Library, See No. LT 5805/18/25